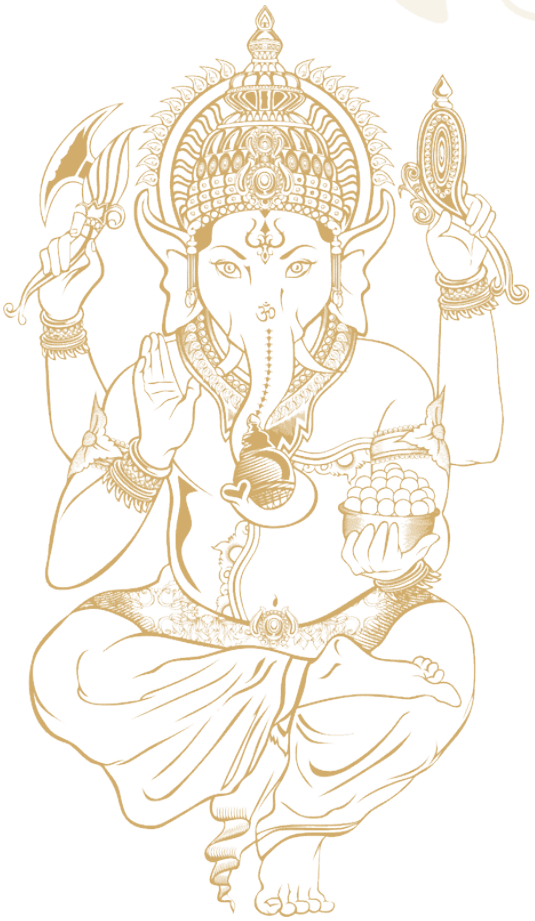

Rajni Kumari

17 Aug 1998

05:52 AM

Ramgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120988103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/08/1998**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**05:52:00 घंटे**
इष्ट	00:05:16 घटी
स्थान	**Ramgarh**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:40:00 उत्तर
रेखांश	76:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:29:28 घंटे
वेलान्तर	-00:04:08 घंटे
साम्पातिक काल	03:10:13 घंटे
सूर्योदय	05:49:53 घंटे
सूर्यास्त	19:02:50 घंटे
दिनमान	13:12:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	00:04:54 सिंह
लग्न के अंश	29:41:15 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	हर्षण
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:41:15	305:45:46	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			सिंह	00:04:54	00:57:41	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	28:27:55	13:41:43	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कर्क	03:43:01	00:38:51	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध	व	अ	कर्क	24:50:12	00:42:16	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	02:47:57	00:05:30	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	10:35:45	01:13:24	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:47:28	00:00:08	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:39:28	00:00:53	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:39:28	00:00:53	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	16:23:24	00:02:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:18:17	00:01:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:27:38	00:00:01	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	26:09:42	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:09

लग्न-चलित

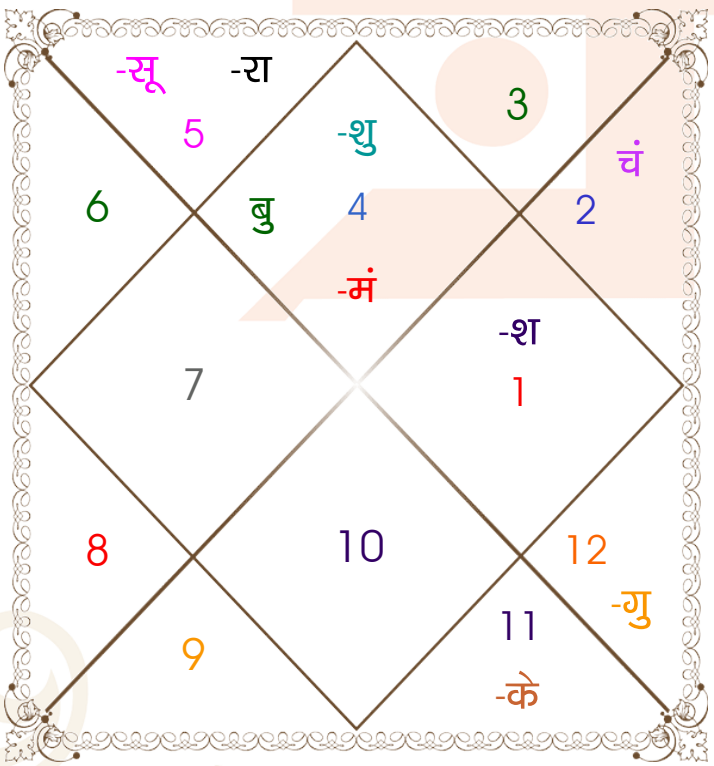

चन्द्र कुंडली

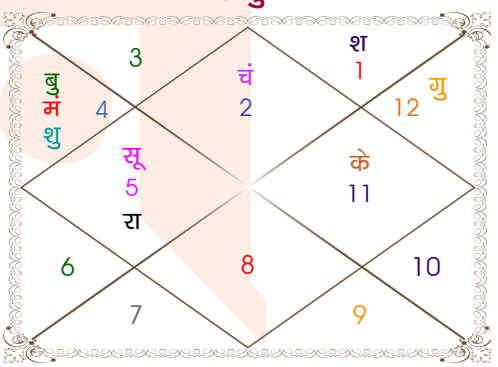

नवमांश कुंडली

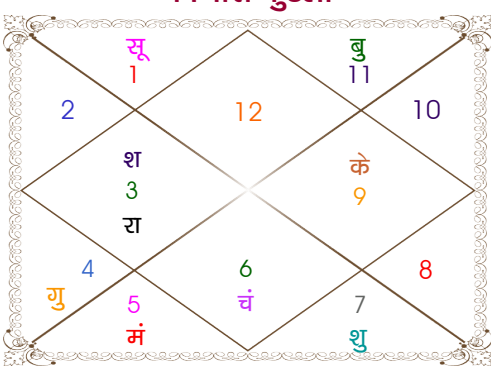

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 3 मास 20 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/08/1998		06/12/2002		06/12/2020		06/12/2036		07/12/2055	
06/12/2002		06/12/2020		06/12/2036		07/12/2055		06/12/2072	
	00/00/0000	राहु	19/08/2005	गुरु	24/01/2023	शनि	10/12/2039	बुध	04/05/2058
	00/00/0000	गुरु	12/01/2008	शनि	06/08/2025	बुध	19/08/2042	केतु	02/05/2059
	17/08/1998	शनि	18/11/2010	बुध	12/11/2027	केतु	28/09/2043	शुक्र	01/03/2062
शनि	07/06/1999	बुध	07/06/2013	केतु	18/10/2028	शुक्र	27/11/2046	सूर्य	06/01/2063
बुध	03/06/2000	केतु	25/06/2014	शुक्र	19/06/2031	सूर्य	09/11/2047	चंद्र	06/06/2064
केतु	30/10/2000	शुक्र	25/06/2017	सूर्य	06/04/2032	चंद्र	10/06/2049	मंगल	04/06/2065
शुक्र	31/12/2001	सूर्य	20/05/2018	चंद्र	06/08/2033	मंगल	19/07/2050	राहु	22/12/2067
सूर्य	07/05/2002	चंद्र	18/11/2019	मंगल	13/07/2034	राहु	25/05/2053	गुरु	29/03/2070
चंद्र	06/12/2002	मंगल	06/12/2020	राहु	06/12/2036	गुरु	07/12/2055	शनि	06/12/2072

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/12/2072		07/12/2079		07/12/2099		07/12/2105		08/12/2115	
07/12/2079		07/12/2099		07/12/2105		08/12/2115		00/00/0000	
केतु	04/05/2073	शुक्र	07/04/2083	सूर्य	26/03/2100	चंद्र	08/10/2106	मंगल	05/05/2116
शुक्र	04/07/2074	सूर्य	06/04/2084	चंद्र	25/09/2100	मंगल	09/05/2107	राहु	23/05/2117
सूर्य	09/11/2074	चंद्र	06/12/2085	मंगल	31/01/2101	राहु	06/11/2108	गुरु	29/04/2118
चंद्र	10/06/2075	मंगल	05/02/2087	राहु	25/12/2101	गुरु	08/03/2110	शनि	18/08/2118
मंगल	06/11/2075	राहु	05/02/2090	गुरु	14/10/2102	शनि	08/10/2111		00/00/0000
राहु	24/11/2076	गुरु	06/10/2092	शनि	26/09/2103	बुध	08/03/2113		00/00/0000
गुरु	31/10/2077	शनि	07/12/2095	बुध	01/08/2104	केतु	07/10/2113		00/00/0000
शनि	09/12/2078	बुध	07/10/2098	केतु	07/12/2104	शुक्र	08/06/2115		00/00/0000
बुध	07/12/2079	केतु	07/12/2099	शुक्र	07/12/2105	सूर्य	08/12/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 3 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।